आइआइएम रांची को फेलोशिप में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

झारखंड व तमिलनाडु के युवाओं को बना रहे स्किल्ड मैनपावर

कैंपस की खबरें

जागरण संवाददाता, रांची: महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप (एमजीएनएफ) के दो वर्षीय कार्यक्रम को बढ़ावा देने की कवायद तेज कर दी गई है। आइआइएम रांची की ओर से कक्षा के सत्र को जिला स्तर पर जोड़ने का दिशा निर्देश दिया गया है। यह कार्यक्रम कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा राज्य कौशल विकास मिशन (एसएसडीएम) के सहयोग से डिजाइन किया गया है, ताकि योजनाएं बनाई जा सकें और रोजगार, आर्थिक उत्पादन बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका को बढ़ावा देने के लिए बाधाओं की पहचान की जा सके। आइआइएम रांची के प्रो. गौरव मराठे बताते हैं कि कार्यक्रम के जरिये युवाओं को प्रशिक्षित कर स्किल्ड मैनपावर बनाया जाएगा। उन्हें रोजगारपरक योजनाओं में अहम भूमिका निभाने के लायक तैयार किया जा रहा है, ताकि देश में स्टार्ट-अप जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम पूरे देश के 660 से अधिक जिलों में शुरू किया गया है। नौ आइआइएम इसकी मेजबानी कर रहे हैं। जिसमें आइआइएम रांची को झारखंड और तमिलनाडु के सभी जिलों से आए 58 फेलो के साथ काम करने का मौका मिला है। कार्यक्रम का लक्ष्य जिला कौशल समिति के लिए एक प्रभावी संगठन के रूप में कार्य करना है। कार्यक्रम का उद्देश्य विकास क्षेत्र में भविष्य के नेताओं को जिला पारिस्थितिकी तंत्र के समृद्ध अनुभव और विज्ञानी प्रबंधन विधियों का उपयोग कर समस्याओं को हल करने की क्षमता के साथ तैयार करना है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप दो वर्षीय शैक्षणिक कार्यक्रम है।

> यह कार्यक्रम जिला कौशल प्रशासन और जिला कौशल समितियों को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। यह विश्व बैंक के ऋण सहायता कार्यक्रम और ज्ञान जागरूकता के तहत युवाओं को रोजगारपरक योजनाओं के लायक बनाया जा रहा है। **-प्रो गौरव मराठे, प्रशिक्षक सह प्राध्यापक, आइआइएम रांची।**